







## न्यूज ब्रीफ

डीएम से की फर्जी धान  
खरीद की शिकायत

मूदापाड़, अमृत विचार: क्रय केंद्रों पर फर्जी धान खरीद की शिकायत मंगलवार को किसान ने डीएम से की है।

मूदापाड़ के लालाटीकर में रोडा धान सहकारी समिति के सचिव पर आरोप लगाया गया कि सेंटर पर धान आए और दूसरी तरीकों के लिए किसानों से 6 हजार रुपये ले रहे हैं। किसानों ने अधिक धान की तील न होने पर डीएम से शिकायत करने की बात कही तो सचिव ने ऐंडेकल लागू करावासा प्राप्त कर लिया। नए सचिव की तीली न होने से धान क्रय केंद्र बंद पड़ा है और किसान परेशन है किसान ने मंगलवार को डीएम से शिकायत कर प्रकरण की जांच कर लायी है।

नगर के मोहल्ला महाजनों ने निवासी विशाल गुप्ता की मिटाई की दुकान और विचार कॉलोनी के मूर्ख मार्ग पर है। उन्होंने बताया कि दोपहर को उपेंद्र चौधरी नाम का व्यक्ति दुकान पर आया और 25,000 रुपये की मांग करने लगा। रुपए देने से इनकार करने पर गाली गलौज शुरू कर दी। साथ ही दुकान में रेखा सामान फेंकना शुरू कर दिया। वह 2000 रुपये प्रतिदिन देने की मांग करने लगा। नहीं देने पर जान से माने की धमकी देने लगा। इसके बाद वान से माने की धमकी देते हुए चला गया।

**दो फैक्ट्री कर्मी सड़क दुर्घटना में घायल**

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार: ठाकुरद्वारा-काशीपुर-मुरादाबाद मार्ग पर चल रहे निमाण कारों के दौरान बोरे गए गड्ढों के कारण एक साइकिल सवार फैक्ट्री काशीपुर से घायल हो गया। उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कमालपुरी निवासी ने दौरान लालाटीकर से घर बाहर कर लालाटीकर से घर लौट रहा था। उसी दौरान सड़क पर बोरे गए गड्ढों से घर सिर गिर गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। युद्धासी में तैति कर्मी ने शायरों का प्राप्तिक उपरांत देते हुए नार के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया

**बांगलादेश में हिंदुओं पर हिंसा के विरोध में प्रदर्शन आज**

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार: बांगलादेश में हिंदुओं व अन्य अस्पताल के समुदायों पर हो रही हिंसा और त्याओं के विरोध में देशमें आंशिक बदला जा रहा है।

विश्व हिंदू परिषद व बंगलादेश दल 24 दिसंबर बुधवार को ठाकुरद्वारा में बांगलादेशी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेगा। विश्व हिंदू परिषद के जिला विधिक प्रमुख साजन शर्मा एवं डोल्माने ने सभी राज्यभूमि और धर्मस्थानों एवं समानियों को नार के ठाकुरद्वारा लाके के समान अधिक से अधिक सख्त एवं गंभीर तरीके से विरोध करेगा।

ग्राम सलावा में आंशिक सलावा कबड्डी फैसला ग्राम धामपुर और ग्राम हमीरपुर के बीच खेला गया। धामपुर न हमीरपुर को शिकस्त दी। आजान जिला पंचायत सदस्य डॉ रिजवान,

अमृत विचार : कबड्डी फैसला में डीएम एकड़ी धामपुर ने हमीरपुर को 30-12 से हराया। विजेता और उपविजेता टीमों को नकद धनराशि से सम्मानित किया गया।

ग्राम सलावा में आंशिक सलावा कबड्डी फैसला ग्राम धामपुर और ग्राम हमीरपुर एकड़ी धामपुर और ग्राम हमीरपुर प्रमुख जिलायुद्धारा चौधरी, रियासत हुसैन सलामानी, फिरोज अनरव, खुशनुद, मास्टर महमूद भाई व अन्य माजूद रहे।

अमृत विचार : कबड्डी फैसला में संग्रह अमीन ने ग्राम मानदेव पर कार्य कर रहे लोगों ने शर लटका देखा तो परिजनों की बानी दी। युक्त की तरीके से विरोध कर रही था। मंगलवार की सुबह रामगांव किनारे आप के बाएं में रसीद का फंडा बनाकर धूप में लटक गया। खेल पर कार्य कर रहे लोगों ने शर लटका देखा तो परिजनों की बानी दी।

**आम के बाग में युवक ने की आत्महत्या**

डिलारी, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव बदोरा में युवक ने फंडा कर लाला कुदुकी कर ली। गांव निवासी युवक मोहम्मद हनीफ का परिवार से मनवूत चल रहा था। मंगलवार की सुबह रामगांव किनारे आप के बाएं में रसीद का फंडा बनाकर धूप में लटक गया। खेल पर कार्य कर रहे लोगों ने शर लटका देखा तो परिजनों की बानी दी।

अमृत विचार : आम के बाग में युवक ने की आत्महत्या।

डिलारी, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव बदोरा में युवक ने फंडा कर लाला कुदुकी कर ली। गांव निवासी युवक मोहम्मद हनीफ का परिवार से मनवूत चल रहा था। मंगलवार की सुबह रामगांव किनारे आप के बाएं में रसीद का फंडा बनाकर धूप में लटक गया। खेल पर कार्य कर रहे लोगों ने शर लटका देखा तो परिजनों की बानी दी।

**चौधरी चरण सिंह की जयंती धूमधाम से मनाई**

संवाददाता, बिलारी

अमृत विचार : चौधरी चरण सिंह की जयंती बड़ी ही धूमधाम के साथ मनाई गई। अभनपुर रोड पर 151 फीट ऊंची चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा को नमन किया गया।

मूर्ख अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री संजय बिलारी के लिए हमेशा लाला की आवाज के साथ बोलता रहा। उन्होंने हमेशा माना कि जब तक देश का साक्षात् नहीं होगा, तब तक देश सक्षक्ति नहीं हो सकता।

मूर्ख अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री संजय बिलारी के लिए हमेशा लाला की आवाज के साथ बोलता रहा। उन्होंने हमेशा माना कि जब तक देश का साक्षात् नहीं होगा, तब तक देश सक्षक्ति नहीं हो सकता।

मूर्ख अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री संजय बिलारी के लिए हमेशा लाला की आवाज के साथ बोलता रहा। उन्होंने हमेशा माना कि जब तक देश का साक्षात् नहीं होगा, तब तक देश सक्षक्ति नहीं हो सकता।

वैधानिक सचिव : समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञान जैसे वार्ता सम्बन्धी, नीति सम्बन्धी, छान बन्धी वा अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञान पत्र को सावधान किया जाना।

मेरा हाई स्कूल वर्ष 2022 अनुक्रमांक 1220573934 का प्रमाण पत्र सह-अंक पत्र वास्तव में कहीं खो गया है। सना फातमा पुरी मोहम्मद रफीक के बारे आफ बिनीत कुमार ग्राम संदलपुर पोर्ट हाथीपुर चंदू कुंद्रकी मुरादाबाद।

**सुचना**

मेरा हाई स्कूल वर्ष 2022 अनुक्रमांक 1220573934 का प्रमाण पत्र सह-अंक पत्र खो गया है। सना फातमा पुरी मोहम्मद रफीक के बारे आफ बिनीत कुमार ग्राम संदलपुर पोर्ट हाथीपुर चंदू कुंद्रकी मुरादाबाद।

**सुचना**

मेरा हाई स्कूल वर्ष 2022 अनुक्रमांक 1220573934 का प्रमाण पत्र सह-अंक पत्र खो गया है। सना फातमा पुरी मोहम्मद रफीक के बारे आफ बिनीत कुमार ग्राम संदलपुर पोर्ट हाथीपुर चंदू कुंद्रकी मुरादाबाद।

**वैधानिक सचिव :** समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञान जैसे वार्ता सम्बन्धी, नीति सम्बन्धी, छान बन्धी वा अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञान पत्र को सावधान किया जाना।

मेरा हाई स्कूल वर्ष 2022 अनुक्रमांक 1220573934 का प्रमाण पत्र सह-अंक पत्र खो गया है। सना फातमा पुरी मोहम्मद रफीक के बारे आफ बिनीत कुमार ग्राम संदलपुर पोर्ट हाथीपुर चंदू कुंद्रकी मुरादाबाद।

**वैधानिक सचिव :** समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञान जैसे वार्ता सम्बन्धी, नीति सम्बन्धी, छान बन्धी वा अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञान पत्र को सावधान किया जाना।

मेरा हाई स्कूल वर्ष 2022 अनुक्रमांक 1220573934 का प्रमाण पत्र सह-अंक पत्र खो गया है। सना फातमा पुरी मोहम्मद रफीक के बारे आफ बिनीत कुमार ग्राम संदलपुर पोर्ट हाथीपुर चंदू कुंद्रकी मुरादाबाद।

**वैधानिक सचिव :** समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञान जैसे वार्ता सम्बन्धी, नीति सम्बन्धी, छान बन्धी वा अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञान पत्र को सावधान किया जाना।

मेरा हाई स्कूल वर्ष 2022 अनुक्रमांक 1220573934 का प्रमाण पत्र सह-अंक पत्र खो गया है। सना फातमा पुरी मोहम्मद रफीक के बारे आफ बिनीत कुमार ग्राम संदलपुर पोर्ट हाथीपुर चंदू कुंद्रकी मुरादाबाद।

**वैधानिक सचिव :** समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञान जैसे वार्ता सम्बन्धी, नीति सम्बन्धी, छान बन्धी वा अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञान पत्र को सावधान किया जाना।

मेरा हाई स्कूल वर्ष 2022 अनुक्रमांक 1220573934 का प्रमाण पत्र सह-अंक पत्र खो गया है। सना फातमा पुरी मोहम्मद रफीक के बारे आफ बिनीत कुमार ग्राम संदलपुर पोर्ट हाथीपुर चंदू कुंद्रकी मुरादाबाद।

**वैधानिक सचिव :** समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञान जैसे वार्ता सम्बन्धी, नीति सम्बन्धी, छान बन्धी वा अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञान पत्र को सावधान किया जाना।

मेरा हाई स्कूल वर्ष 2022 अनुक्रमांक 1220573934 का प्रमाण पत्र सह-अंक पत्र खो गया है। सना फातमा पुरी मोहम्मद रफीक के बारे आफ बिनीत कुमार ग्राम संदलपुर पोर्ट हाथीपुर चंदू कुंद्रकी मुरादाबाद।

**वैधानिक सचिव :** समाचार प

## न्यूज ब्रीफ

**डांस में वजीहा ने जीता कांस्य पदक**

रामपुर, अमृत विचार : रेण मेरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल की कक्षा 4 की होमेहर छात्रा वजीहा फहीम ने डांस प्रतियोगिता में प्रदर्शन किया। आर्ट एंड ड्रैपिं इन्टर्नेशनल डांस प्रतियोगिता में वजीहा ने कांस्य पदक हासिल कर परिवर्त का नाम रेशन किया है।

छात्रा वजीहा  
प्रतियोगिता में वजीहा ने कांस्य पदक हासिल कर परिवर्त का नाम रेशन किया है।









बुधवार, 24 दिसंबर 2025

## दूरदर्शी समझौता

भारत-न्यूजीलैंड के बीच मात्र नौ महीनों में संपन्न हुआ मुक्त व्यापार समझौता यानी एफटीए न केवल अपनी गति के कारण उल्लेखनीय है, बल्कि यह बदलते वैशिक व्यापार परिदृश्य में भारत की रणनीतिक आर्थिक सोच को स्पष्ट रूप से रेखांकित करता है। आम तौर पर वर्षों तक खिंचने वाली एफटीए वार्ताओं की तुलना में यह समझौता तेज़, संतुलित और दूरदर्शी है, इसीलिए इसे दीर्घकालिक विकास योजनाओं के अनुरूप एक ऐतिहासिक उपलब्धि और मौलिक का पथरथ कहना उत्तिष्ठता है। यह समझौता दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को कई स्तरों पर मजबूत करेगा। न्यूजीलैंड के तकरीबन 55 प्रतिशत उत्पादों के तत्काल टैरिफ़-प्रत पहुंच और दस वर्षों में यह दायरा लगभग 50 प्रतिशत उत्पादों के तत्काल पहुंचना, द्विपक्षीय व्यापारों को नई गति देगा। भारत को इससे कृषिअर्थित और श्रम-प्रधान नियंत्रण बढ़ाने का अवसर मिलेगा, जबकि न्यूजीलैंड के लिए भारत जैसा विश्वाल और बढ़ता बाहरी दीर्घकालिक स्थिरता देगा। समझौते के कानूनी और प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद इसे लागू होने में साल भर से ज्यादा लगेंगे।

भारत इसके पहले मौर्शिस, ऑफ्सेलिया, यूई, यूरोपीय संघ, ओमान और ब्रिटेन के साथ एफटीए कर चुका है, कनाडा से वार्ता अंतिम चरण में होना दर्शाता है कि भारत वैशिक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भरोसेमंद भागीदार के रूप में उभर रहा है। इसका परोक्ष दबाव अमेरिका पर भी पड़ेगा, जहाँ अति संक्षणवादी टैरिफ़ नीतियों के चलते भारतीय नियंत्रक असमंजस में हैं। भले ही वह पूर्ण समाधान न हो पर विधेय एफटीए नेटवर्क के अमेरिकी टैरिफ़ के द्वारा भारों से आंशिक सुरक्षा कवर तो देगा। इसका मैं भारत-न्यूजीलैंड व्यापार लगभग 21 हजार करोड़ रुपयों का है। समझौते के बाद मध्यम अवधि में इसमें दो से तीन गुना वृद्धि की संभावना है। भारतीय नियंत्रकों को शून्य-शुल्क पहुंच से बड़ा लाभ होगा। कपड़ा, परिधान, चमड़ा और जूत जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के साथ-साथ इंजिनियरिंग, मैन्यूफैक्चरिंग, आटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, मरीनरी, फार्मास्यूटिकल्स और रसायन उद्योगों में 25 से 40 प्रतिशत तक नियंत्र वृद्धि हो सकती है।

कृषि क्षेत्र में यह समझौता व्यावहारिक संतुलन साधता है। फल, सब्जियाँ, अनाज, मसाले, कॉफी और प्रोसेस्ड फूड के लिए न्यूजीलैंड का बाजार खुलेगा, जबकि भारत के डेयरी, चीनी, खाद्य तेल, कीमती धारुओं, तांबे के क्षेत्रों और रेस्ट-आधारित उत्पादों जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को पर्याप्त सुरक्षा मिलेगा। सेवाओं और मानव संसाधन की आवाही इस समझौते के एक और बड़ी तकत है। 5,000 अस्थायी कपड़ी वीजों, वर्ग वॉल्किंग और अध्ययन के बाद रोजगार के अवसर भारतीय युवाओं और कुशल पेशेवरों के लिए वैशिक दबाव जो खोलेंगे। आईटी, आईटी-संक्षम सेवाएं, वित्त, शिक्षा, पर्यटन और नियामण जैसे क्षेत्रों में भारत की पहुंच बढ़ेगी, जिससे एमएसएसई, कोरिगरों, महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्योगों और स्टार्टअप्स को भी लाभ मिलेगा। न्यूजीलैंड का आगामी 15 वर्षों में भारत में 20 अरब डॉलर के एफटीए की सुविधा देना महत्वाकांक्षी है। अवधि लंबी है, पर इससे निवास को स्थायित्व, तकनीकी सहयोग व रोजगार सुनन का ठास आधार मिलेगा।

### प्रसंगवथा

## लैगिक मेदभाव की खाई बढ़ाते कौमार्य परीक्षण

हाल ही में राजस्थान में महिलाओं की वर्जिनिटी टेस्ट के कुछ मामले सामने आए हैं, जिनके बाद एक बात फिर इस विषय पर बहस छिड़ गई है। यह ऐसा विषय है, जिस पर अमातीय पर बात करने से तो हम बचते हैं, लेकिन कुप्रथाओं में यही टेस्ट चादर में ध्वने नहीं हो रहे हैं। वर्जिनिटी मसलन् यूं तो स्टी और पुरुष दोनों से जुड़ा है, लेकिन 21वीं सदी जैसे आधुनिक युग में भी इस अधिकांश महिलाओं की ही परिव्रता जांच यानी इस टेस्ट से तोला तोला रहा है। वर्जिनिटी टेस्ट की इस परंपरा को राजस्थान में कुकड़ी प्रथा के नाम पर युक्ती और उसके परिवार को ये प्रताङ्ग झेलनी पड़ी। यह मामला ऐसी प्रथाओं को शर्मसार करने वाला है, जिन्हें आज भी कई समाज अपनी रीत एवं विवाजों का नाम देकर महिलाओं पर थोप रहे हैं और लौगिक भेदभाव की खाई को और गहरा करने का काम कर रहे हैं।

एक समाज विशेष की प्रथा के चलते वर्जिनिटी टेस्ट में फैल होने पर एक युवती को न सिर्फ़ प्रताङ्गित किया गया, बल्कि दस लाख रुपये का जुर्माना भी लागाया गया। इस मामले में वर्जिनिटी टेस्ट के लिए चली आ रही प्रथा के नाम पर युक्ती और उसके परिवार को

ये प्रताङ्ग झेलनी पड़ी। यह मामला ऐसी प्रथाओं को शर्मसार करने वाला है, जिन्हें आज भी कई समाज अपनी रीत एवं विवाजों का नाम देकर महिलाओं पर थोप रहे हैं और लौगिक भेदभाव की खाई को और गहरा करने का काम कर रहे हैं।

कुछ समय पहले भी लालवाडा के बागैर गांव की 24 वर्षीय युवती की शादी उसी गांव में हुई। शादी के बाद सारी समाज ने कुकड़ी प्रथा के तहत नई दुल्हन का वर्जिनिटी टेस्ट लिया।

टेस्ट में दो गई सूत की गेंड, जिसे कुकड़ी कहा जाता है, में सुहागरत के दिन बिल्लावाडा के बागैर गांव पर खून के ध्वने नहीं मिलने पर विवाहित युवती को टेस्ट में फैल बता मारपीट कर प्रताङ्गित किया गया। टेस्ट में फैल होने का कारण पूर्व में एक युवक की ओर से युवती के साथ दुष्कर्म करना बताया गया। सांसी समाज की पंचायत बुलाई गई और वधु पक्ष पर दस लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसके बाद मामला पुलिस तक जा पहुंचा। कुकड़ी प्रथा राजस्थान के परिचमी हिस्सों में रहने वाली सांसी जनजाति ने प्रतिनियत एक विवादास्पद और दमनकारी समाजिक कुप्रथा है, जिसमें सांसी के बाद नहीं रहने के कौमार्य की परीक्षा ली जाती है।

असल में वर्जिनिटी टेस्ट एक अवैज्ञानिक और तरीका है, जिसे सुप्रीम कोर्ट और अकेले आदालतों ने असंविधानिक, पिरुत्तात्मक और मानवाधिकारों का उल्लंघन बताया है, जबकि यह महिला की गरिमा और निजता का हनन करता है। अधुनिक विज्ञान और कानून भी इसे अस्वीकार करते हैं और पुरानी, अतार्किक प्रथा मानते हैं। कौमार्य भंग होने के कई कारण हो सकते हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह एक सामाजिक अवधारणा है, जिनका स्थिति नहीं है।

आनुवंशिकी और प्राकृतिक विविताएं में कुछ लालों में जन्म से ही हाइमन बहु कम या न के बागैर होती है। वहीं शारीरिक गतिविधियों जैसे धूम्रपान के कारण भी हाइमन खिंच सकती है या फक्त सकती है। कुछ दुर्घटना या चोट के कारण भी हाइमन खिंच सकती है या फक्त सकती है।

असल में वर्जिनिटी टेस्ट एक अवैज्ञानिक और तरीका है, जिसे सुप्रीम कोर्ट और अकेले आदालतों ने असंविधानिक, पिरुत्तात्मक और मानवाधिकारों का उल्लंघन बताया है, जबकि यह महिला की गरिमा और निजता का हनन करता है। अधुनिक विज्ञान और कानून भी इसे अस्वीकार करते हैं और पुरानी, अतार्किक प्रथा मानते हैं। कौमार्य भंग होने के कई कारण हो सकते हैं।

डॉ. मोनिका शर्मा वरिष्ठ प्रत्यक्ष



जो अपने घर में ही सुधार न कर सका हो, उसका दूसरों

को सुधारने की चेष्टा करना बड़ी भारी धूर्ता है।

-मुंशी प्रेमचंद, हिंदी साहित्यकार

## देश के 216 बांध खतरनाक हालत में



प्रमोद भर्गवा

वरिष्ठ प्रत्यक्ष



देश में बड़े बांधों की सुरक्षा को लेकर करने के प्रावधान हैं। भारत बांध संख्या में नियंत्रित राज्य मंत्री राजभूषण जीवंता ने राज्यसभा में बातया कि देश भर में 216 बांध ऐसे हैं, जिनमें गंभीर खामियां पाई गई हैं और जिनकी तात्काल मरम्मत होना जरूरी है। इन बांधों की सुरक्षा बांधों को बाढ़ और नदियों की भावना के लिए बहुत खास है। चीन वर्षों और अमेरिका दूसरे स्थान पर है। देश में 973 बांधों की उम्र 50 से 100 वर्ष के बीच गया है, जो 18 प्रतिशत बैठती है। 973 यानी 56 फीसदी ऐसे बांध हैं, जिनकी आयु 25 से 70 वर्ष है। ये 26 प्रतिशत बांध 25 वर्ष से कम आयु के हैं, जिन्हें मरम्मत की अतिक्रमण देना होता है।

सबसे बड़ा महाराष्ट्र में 50 ऐसे बांध पाए गए हैं, जिनकी तात्काल मरम्मत जरूरी है। इसके बाद बांध मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में 24-24 बांध, तमिलनाडु में 19, तेलंगाना में 18, उत्तर प्रदेश में 12, झारखण्ड में 10, केरल में 9, आंध्रप्रदेश में 7 और गुजरात तथा में छह बांध हैं। बांधों की उम्र पूरी होने पर रखने वाले खर्च बढ़ते हैं। लेकिन बांध खतिग्रस्त हो जुके हैं, जिनमें 5,745 हैं। इनमें से संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट ने 1115 बांधों की हालत खस्ता बताई है। चीन वर्षों और अमेरिका दूसरे स्थान पर हैं। देश में 973 बांधों की उम्र 50 से 100 वर्ष के बीच गया है, जो 18 प्रतिशत बैठती है। 973 यानी 56 फीसदी ऐसे बांध हैं, जिनकी आयु 25 से 70 वर्ष है। ये 26 प्रतिशत बांध 25 वर्ष से कम आयु के हैं, जिन्हें मरम्मत की अतिक्रमण देना होता है।

पारंपरिक रूप से बांधों की उम्र 50 से 100 वर्ष के बीच गया है, जिसके लिए बांध खत



अमृत विचार

# रंगोली

बुधवार, 24 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

11

ना

गपुर से करीब 50 किलोमीटर दूर रामटेक स्थान है, जो प्राचीन राम मंदिर और महाकवि कालिदास से जुड़ा व की वजह से मशहूर है। रामटेक स्थित पहाड़ी शृंखला को सिंधूरणि पर्वत भी कहा जाता है।

मान्यता है कि प्रभु श्रीराम

वनवास के दौरान यहाँ

माता सीता और भाई

लक्ष्मण के साथ रुके थे,

इसका उल्लेख वालीकी

रामायण और पद्मपुराण

में मिलता है। यहाँ पर

अगस्त्य ऋषि का आश्रम

था। मान्यता यही है कि

महर्षि अगस्त्य द्वारा यहाँ पर प्रभु श्रीराम को ब्रह्मास्त्र दिया गया था। हिंदू धर्मग्रंथों के अनुसार प्रभु श्रीराम ने यहाँ पर राक्षसों का संहार करने की प्रतिज्ञा ली थी, जिसका वर्णन रामचरित मानस में मिलता है। वैसे भी टेक का अर्थ प्रतिज्ञा होता है।



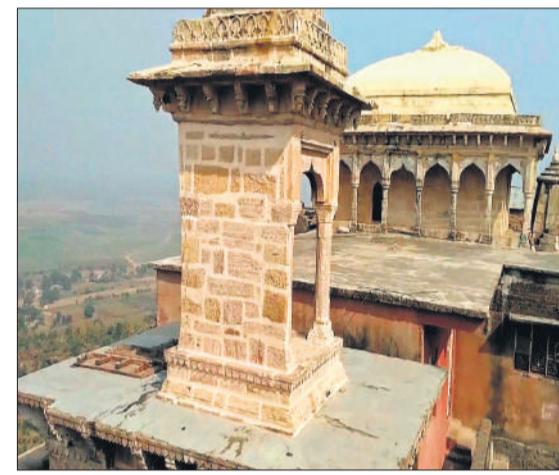
अजय त्रिपाठी  
उप निवेदक गुरु  
कल्पना

# दागंटेक

## वनवास के दौरान यहाँ छके थे प्रभु राम

### श्रीराम ने यहाँ पर ली राक्षसों के संहार की प्रतिज्ञा

जब श्रीराम ने इस स्थान पर हर कहीं हड्डियों के ढेर देखे, तो उन्होंने इस वारे में ऋषि अगस्त्य से प्रश्न किया। इस पर उन्होंने बताया कि यह उन ऋषियों की हड्डियाँ हैं, जिनके ज्ञ और पूजा में राक्षस विध डालते थे। इसके बाद श्रीराम ने राक्षसों के संहार की प्रतिज्ञा ली। इसी स्थान पर ऋषि अगस्त्य द्वारा दिए गए ब्रह्मास्त्र से ही श्रीराम ने रावण का वध किया। इस मंदिर को लेकर कहानी है कि प्रभु श्रीराम ने वनवास के दौरान इस स्थान पर चार महीने तक माता सीता और लक्ष्मण के साथ समय बिताया था। माता सीता ने यहाँ पहली रसोई बनाई थी और स्थानीय ऋषियों को भोजन कराया था।

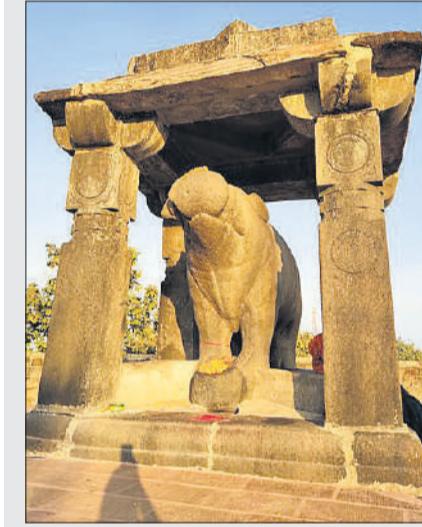


### किले जैसा आभास देता है मंदिर

एक छोटी पहाड़ी पर बने रामटेक मंदिर को गढ़ मंदिर भी कहा जाता है। केवल पथरों से बने होने के कारण यह मंदिर किसी किले जैसा लगता है। यह पथर एक ढूपरे के ऊपर रखे हुए है। इसका निर्माण 18 वीं शताब्दी में नागपुर के मराठा शासक राजा रघुनाथ भोसले ने छिंदवाड़ा में देवगढ़ के दुर्ग पर विजय प्राप्ति के बाद किया था। मंदिर के काफी ओर सुरनदी बहती है। मंदिर परिसर में एक तालाब भी है, जिसे लेकर मान्यता है कि इसमें पानी कभी कम या ज्यादा नहीं होता है। हमेसा समाचार जल स्तर रहता है। ऐसा माना जाता है कि जब भी बिजली चमकती है, तो मंदिर के शिखर पर ज्योति प्रकाशित होती है, जिसमें भगवान राम का अक्षर दिखाई देता है।

### महाकवि कालिदास ने यहाँ पर लिखा मेघदूत

रामटेक में महाकवि कालिदास जी का एक भव्य दिव्य स्मारक भी मौजूद है। यहाँ पर कालिदास द्वारा मेघदूत काव्य की रचना किए जाने का उल्लेख है। इस जगह को रामपीठ भी कहा जाता है। रामटेक में दिंगंबर जैन मंदिर भी है, जिसका निर्माण 17 वीं शताब्दी के दौरान जैनियों के दिंगंबर संप्रदाय द्वारा किया गया था, जो भगवान महावीर के अनुयायी थे। यह मंदिर जैन धर्म का एक महत्वपूर्ण केंद्र और महाराष्ट्र के सबसे पुराने जैन मंदिरों में से एक है।

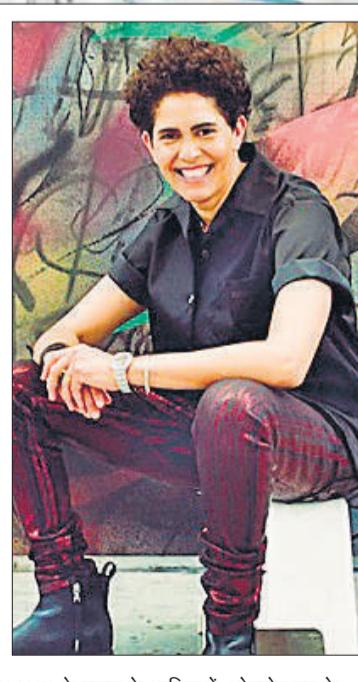


### आर्ट गैलरी

#### जूली मेहरतु की पेटिंग सिक्स बार्डोज



जूली मेहरतु की कृति 'सिक्स बार्डोज़ : हिम (बिहाइंड द सन)' 2018 में निर्मित एक प्रभावशाली चित्र है, जो उनकी आधात्मिक और कलात्मक हीराई को दर्शाता है। यह कृति उनकी 'सिक्स बार्डोस' शृंखला का हिस्सा है, जो बौद्ध धर्म में जीवन और पुनर्जन्म के बीच की छह संक्रमणकालीन अवस्थाओं (Bardos) से प्रेरित है। मेहरतु ने इस शृंखला की प्रेरणा चीन की मोगाओ गुफाओं (Mogao Caves) की यात्रा के बाद ली थी। 'बार्डो थडोल' (तिब्बती बुक ऑफ द डेड) के दर्शन को आधार बनाकर, उन्होंने मानवीय चेतना के जटिल प्रवाह को कैनवास पर उतारा है। यह विशेष पेटिंग 25-रंगों वाली एक्वाटिंट (aquatint) तकनीक से बनाई गई है, जो इसे रंगों और रेखाओं का एक जीवंत सागर बनाती है।



### जूली के बारे में

जूली मेहरतु का जन्म 1970 में अदिश अबाला, इथियोपिया में हुआ था। 1970 के दशक के आखिर में, ओगड़ेन युद्ध के कारण इथियोपिया में राजनीतिक उथल-पुथल हुए और 1977 में मेरठरु मिशन चली गई। हाई स्कूल से ग्रेजुएशन करने के बाद, उन्होंने कलामजू कॉलेज से बैचरर ऑफ एड्स की डिप्लोमा प्राप्त की। असल में कई महादीपों और संस्कृतियों में उनके अनुभवों में उन्हें सामाजिक और राजनीतिक स्थितियों का एक अनोखा नजरिया दिया गया है। वह कला, वास्तुकला और पिछली सभ्यताओं के इतिहास को प्रख्याती है और उन्हें प्रवासन, क्रान्ति, जलवायु परिवर्तन, वैशिक पूर्णिमा और प्रैद्योगिकी के मौजूदा विषयों के साथ मिलती है। उनकी प्रेरणा के स्रोत गुणक चित्र, कार्टोग्राफी, गणितीय डिजाइनों, एशियाई सुलेख, भूति चित्रों, वास्तुशिल्प प्रस्तुतियों और समाचार ऐमेजरों से आते हैं। कभी-कभी उनका काम इतना स्वरित होता है कि वे जीवाशम खलाफी जैसा दिखता है। वह कला, वास्तुकला और धर्मों के बीच की जो जीवाशम खलाफी है, उनकी प्रेरणा के स्रोत गुणक चित्र, कार्टोग्राफी, गणितीय डिजाइनों, एशियाई सुलेख, भूति चित्रों, वास्तुशिल्प प्रस्तुतियों जैसा दिखता है।



कौट भी कला लोक मानस से जन्म लेती है, उसी से पोषित होती है और समाज की सामूहिक चेतना को प्रतिविवित करती है। लोक कला की विशेषता यह है कि इसमें कलाकार रीसेमित साधनों और सरल रेखाओं के माध्यम से भी प्रभावशाली एवं ओजपूर्ण चित्रांकन कर देता है। यह कला किसी औपचारिक प्रशिक्षण, विद्यालय या संस्थान की मोहताज नहीं होती, बढ़ती है। मां, दादी और नानी जैसे बुजुर्गों को बनाते देखकर अथवा उनसे सीखकर यह कला जीवन का अंग बन जाती है।

लोक कला का एक महत्वपूर्ण रूप 'चौक' है। चौक में स्वरितक, कलश, चरण, कमल, शंख, सूर्य, चंद्र, सन-कमल और अट्ट-कमल जैसे प्रीतीकों का निर्माण किया जाता है, जिनका गहरा दाशनिक और धार्मिक महत्व है। उदाहरणस्वरूप कलश को मानव शरीर का प्रतीक माना जाता है और उसमें भरा जल जीवन-सर का घोतक है। यह लक्ष्मी का भी प्रतीक है और लगाम सभी शुभ एवं मांगलिक कार्यों में संस्कृत-स्थापना अनिवार्य मानी जाती है। प्रागैतिहासिक काल के शैलचित्रों में लोक रूप दिखाई देते हैं।

सिंधु सभ्यता से प्राप्त मिट्टी के पारंपरिक चौक देखने की परंपरा है। यह धर्म में सोलह संस्कारों की परंपरा है और लगभग सभी संस्कारों में चौक की परंपरा है। यह प्रवेश या जन्मदिन के अवसर पर भूमि को गोबर से लीपकर, रखने के द्वारा तो वर्ता पर कलश स्थापना होता है अलंकरण किया जाता है, इसे ही मांगलिक चौक कहा जाता है।

### चौक पूरना : भारतीय सांस्कृतिक चेतना की अभिव्यक्ति

मानव स्वभाव से ही रचनात्मक रहा है। आदि काल से लेकर वर्तमान तक उसने अपने अनुभूतियों और जीवन में घटनाओं को अभिव्यक्त करने के लिए विविध रूपों का सूजन किया है। उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों और साधानों के माध्यम से मानव ने अपने भावों को आकार दिया और यही प्रक्रिया कला के प्रारंभिक स्वरूपों की जननी बनी। समय के साथ मानव ने न केवल भौतिक विकास किया, बल्कि अपनी कल्पनाओं, विश्वासों और आधात्मिक अनुभूतियों को भी कला के माध्यम से साकार किया। लोक कला इसी सहज और खाभाविक अभिव्यक्ति का रूप है। फैंचर डर्क

### नांगलिक चौक

मांगलिक कार्य लिखि, माह, पक्ष, नक्षत्र और गणना के अनुसार किए जाते हैं। विवाह, गृह प्रवेश, वर्षगांठ, छठी आदि अवसरों पर चौक का निर्माण किया जाता है। विवाह में साझाई, तिलक, द्वार-पूजा और मंडप में सुखे आटे व हल्दी से चौक पूरने की परंपरा है। गृह प्रवेश या जन्मदिन के अवसर पर भूमि को गोबर से लीपकर, रखने के द्वारा तो वर्ता पर कलश स्थापना होता है अलंकरण किया जाता है, इसे ही मांगलिक चौक कहा जाता है।



### व्रत-त्योहार चौक

हिंदू धर्म में अनेक व्रत-त्योहारों पर चौक पूरने की परंपरा है। नवरात्रि, नाग परमी, रक्षाबद्धन, हरतालिका तीज, गणेश चतुर्थी, करवा चौथ, गृही आदि अवसरों पर भिन्न-भिन्न प्रकार के चौक बनाए जाते हैं। ये आटा, हल्दी, रोली, गेल, गोबर आदि से निर्मित होते हैं और जन्म-आस्था तथा सांस्कृतिक चेतना को अभिव्यक्त करते हैं। चौक में गेल, खड़िया, हल्दी, पीली गोबर और रोली





